Central Board of School Education

Marking Scheme 2016

[Official]

Note - Candidates Please follow the Set 1 Marking Scheme.

AglaSem Schools

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015–2016
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/2/1
~~29/2/2~~
~~29/2/3~~

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	~~29/2/2~~	~~29/2/3~~		
1.	1.	2.	1.	**खंड –'क'**	15
				अपठित गद्यांश–	
	क	क	क	• सब लोग लुंज–पुंज से हो, एक कोने में बिठा दिए जाते। • सुख–दुख का अनुभव इंद्रियों के द्वारा करते, पर एक दूसरे से कह–सुन न पाते।	1+1=2
	ख	ख	ख	• यह सृष्टि कैसी अजीबो गरीब होती, उसकी कल्पना – मात्र से ही हम सिहर उठते हैं। • सुनना, देखना, सूँघना, महसूस करना आदि के अहसास को बातचीत द्वारा ही अभिव्यक्त किया जा सकता है। • बोल कर हम संसार की मोहकता का वर्णन कर सकते हैं।	2
	ग	ग	ग	• मन के दुख–क्लेश, उदासी, ऊब, निराशा, तनाव समाप्त कर मन हलका	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				हो जाता है।	
				• नकारात्मक सोच के बाहर निकलते ही मन स्वच्छ एवं शान्त हो जाता है।	1+1=2
	घ	घ	घ	आशय –	
				• दुख–दर्द और घुटन का बाहर निकलना।	
				• चित्त हलका और स्वच्छ हो, परमानन्द में खो जाना।	1+1=2
				• चित्त का पावन एवं सुंदर हो जाना।	
	ङ	ङ	ङ	• जब दो आदमी एक–दूसरे के सम्मुख होते हैं, तभी वे अपने दिल की बातें स्पष्ट करके रख पाते हैं।	2
				• ये दो से अधिक लोगों में नहीं हो पाता।	
	च	च	च	• दोनों के शरीर की विद्युत तरंगें एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। एक व्यक्ति का स्वभाव दूसरे पर अपनी छाप छोड़ता है।	2
	छ	छ	छ	उपसर्ग – अभि प्रत्यय – इक परस्पर बातचीत द्वारा ही होती है।	½+½+ 1=2
	ज	ज	ज	• बातचीत की जीवन में अनिवार्यता	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• बातचीत (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)	1
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश–**	1x5=5
	क	क	क	• अस्ताचल – निराशा, उदासीनता आदि। • उदयाचल –जागृति, प्रगति आदि।	½+½=1
	ख	ख	ख	• देश का युवा वर्ग। • वास्तविकता के धरातल पर उतरना। • जीवन संघर्षों से जूझना।	½+½=1
	ग	ग	ग	• हमारा निम्न स्तर उच्च एवं विशाल बन जाता है। • सागर की तरह हमारा विस्तार बढ़ जाता है।	1
	घ	घ	घ	• मन की उदासी, निराशा, ऊब आदि। नकारात्मक सोच दूर करना। • समाज में सम्माननीय स्थान दिलाना, उच्च कोटि का बनाना।	1
	ङ	ङ	ङ	• परतंत्रता दूर करना। • आत्मनिर्भर होना। • भाग्य का भरोसा छोड़ पुरुषार्थ करना।	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• कर्मयोगी बनना।	
				खंड – ख	
3.	3.	5.	4.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित–** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन 6 (तीन बिंदुओं का प्रतिपादन) • भाषा और प्रस्तुति 2	10
4.	4.	6.	3.	**पत्र–लेखन**– • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु 2 • भाषा विषयानुरूप 1	5
5.	5.	3.	5.	**उत्तर संक्षेप में**–	1x5=5
	क	–	–	जब समाज को प्रभावित करती है या उससे जुड़ जाती है।	1
	ख	क	–	• गहन छानबीन करके तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाना – जिन्हें दबाने / छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो।	1
	ग	–	–	• ताजा घटित घटना की दूसरे खबर के बीच तुरन्त सूचना देना।	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
	घ	–	–	• एक ऐसा माध्यम है जिससे संचार, सूचना, मनोरंजन, ज्ञान प्राप्त करने के साथ–साथ व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संबंध भी स्थापित किए जा सकते हैं।	1
	ङ	–	–	• आम बोलचाल की सरल, सुबोध और प्रचलित भाषा। • व्याकरण और वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध। (अन्य उपयुक्त विशेषताएँ भी स्वीकार्य।)	½+½=1
		3.			
–		ख	–	• सन् 1556, गोवा में।	1
–		ग	–	• वह लेख जिसमें सम्पादक अपने व्यक्तिगत विचार प्रकट करता है। वह समाचार–पत्र की आवाज होती है।	1
–		घ	–	• टेलीविजन पर एंकर–बाइट (कथन) का महत्व होता है। • बीच–बीच में संबंधित व्यक्तियों के कथन को दिखा और सुना कर खबर की प्रामाणिकता को पुष्ट करता है।	1
–		ङ	–	• किसी भी समाचार संगठन के लिए खबरों, लेखों, चर्चा–परिचर्चा द्वारा जनता को जागरूक करने वाला तथा	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				घटनाओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति 'पत्रकार' कहलाता है।	1
			5.		
	–	–	क.	• संचार– एक व्यक्ति का अपने भावों और विचारों को दूसरे तक पहुँचाना।	1
	–	–	ख	• संचार–प्रक्रिया में प्राप्तकर्ता की प्रतिक्रिया को 'फीडबैक' कहते हैं। • संचार–प्रक्रिया की सफलता में इसकी अहम भूमिका होती है।	1
	–	–	ग	• सन् 1780, • बंगाल गज़ट।	½+½=1
	–	–	घ	• प्रेरक जानकारी और उत्तेजित कर देने वाली हर सूचना समाचार है।	1
	–	–	ङ	• चमक–दमक की दुनिया की खबरें, व्यक्ति विशेष की चर्चा।	1
6.	6.	4.	6.	**फीचर अथवा आलेख लेखन–** • विषय–वस्तु 2 • रोचकता 2 • भाषा 1	5
				खंड – ग	
7.	7.	8.	9.	• संदर्भ (कवि, कविता) 1 • पूर्वापर संबंध / प्रसंग 1	8

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• व्याख्या 4 • विशेष / काव्य–सौंदर्य 2 काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – भर गया है .....सींचने को। कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता – 'गीत गाने दो मुझे' प्रसंग –संसार की वेदना और दुर्दशा से भयभीत होना। व्याख्या बिंदु – • संसार में व्याप्त विषमता का ज़हर। • मानव जीवन में निराशा। • लोगों में परस्पर अजनबीपन का व्यवहार। • पृथ्वी की सहनशीलता, धैर्य आदि शक्तियों का हनन। • कवि का इन शक्तियों को जगाने का प्रयत्न। विशेष – • खड़ी बोली • तत्सम प्रधान शब्दावली। • भावात्मकता। • भाषा में लाक्षणिकता। • अपने–अपने स्वार्थ में लिप्त	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				कोई किसी को सहारा नहीं देता। ऐसे में प्रेम का संचार करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। • अनुप्रास एवं उत्प्रेक्षा अलंकार। **अथवा** तरिवर झरे.....जेउँ तोरें।। कवि – मलिक मोहम्मद 'जायसी' कविता – 'बारहमासा' प्रसंग – • वियोगिनी नागमति की फाल्गुन मास में उत्पन्न विरह भावना का वर्णन। व्याख्या बिंदु– • फाल्गुन में हवा का झकझोरों के साथ बहना। • शीत बढ़ने के कारण विरह वेदना का असहनीय हो जाना। • शरीर का पीला पड़ जाना। • वृक्षों का पत्रविहीन हो कर पुनः उल्लसित होना। • सखियों का निज पतियों संग फाल्गुन में रंगरलियाँ मनाना। • नागमति का पति–वियोग में जलना पर मिलन की उत्कट चाह।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				विशेष– • पतझड़ के समान नायिका पत्र विहीन उदास है। शरीर पीला और सूखा पड़ गया है। • अवधी भाषा। • शृंगार के वियोग पक्ष का वर्णन। • उपमा, उत्प्रेक्षा, अनुप्रास अलंकर। • चौपाई छंद। • माधुर्य गुण।	
8.	8.	9.	7.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर–**	3+3=6
	क	क	क	• कवि ने दीपक को उस अस्मिता का प्रतीक माना है जिसमें लघुता होते हुए भी ऊँचा उठने का गर्व, स्नेह युक्त व अकेला होते हुए भी विश्व कल्याण की भावना में मदमाता है। • पंक्ति रूपी संगठन में इसकी सार्थकता और महत्व बढ़ जाएगा।	2+1=3
	ख	ख	ख	• भौतिकतावाद की अंधी दौड़ के कारण प्रकृति में आए ऋतु परिवर्तन के प्रति अनभिज्ञ। • ऋतु परिवर्तन एवं त्योहारों आदि का कलैंडरों में दिखाई छुट्टियों से पता चलना।	3

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
	ग	ग	ग	• ऋतु परिवर्तन का अहसास न होना एक व्यंग्य है। • राम के वियोग में माता कौशल्या के संतप्त हृदय की करुणा व ममता का मार्मिक चित्रण। • कौशल्या का पथिक के माध्यम से राम को संदेश। अपने प्रिय घोड़ों को देखने का आग्रह। • घोड़ों के माध्यम से राम को देखने की उत्कंठा पूरी करना।	3
9.	9.	7.	8.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौंदर्य –** काव्य सौंदर्य – भाव सौंदर्य – 1 शिल्प सौंदर्य – 2	3+3=6
	क	क	क	कुसुमित.....कान। भाव – सौंदर्य : • प्रकृति के आनंदमयी उपकरणों का विरह वेदना को बढ़ावा देना। • कोयल की मधुर वाणी व भँवरों की गुंजार सहन न होना। • नायिका की विरह वेदना का मार्मिक चित्रण।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				शिल्प – सौंदर्य : • मैथिली भाषा का प्रयोग। • वियोग श्रृंगार। • अनुप्रास, उपमा अलंकार। • माधुर्य गुण। • गेयात्मकता। • वर्णनात्मक शैली।	3
	ख	ख	ख	लघु सुरधनु .....जहाँ किनारा। भाव–सौंदर्य : • सिकंदर के सेनापति की बेटी कार्नेलिया द्वारा भारत की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक महानता का मनोहारी चित्रण।	
				शिल्प–सौंदर्य : • खड़ी बोली। • तत्सम शब्दावली। • अनुप्रास एवं मानवीकरण अलंकार। • चित्रात्मक भाषा – शैली। • सरल प्रभावमयी भाषा।	3
	ग	ग	ग	किसी अलक्षित.....बेखबर। भाव–सौंदर्य – • बनारस की प्राचीनता और संस्कृति	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
10.	10.	12.	11.	का वर्णन। • आध्यात्मिकता के साथ–साथ आधुनिकता का वर्णन। शिल्प – सौंदर्य – • खड़ी बोली। • सरल और प्रवाहमयी भाषा। • सूर्य अदृश्य शक्ति का प्रतीक। • तत्सम व तद्भव शब्दावली। • छंद मुक्त कविता। • बिम्ब योजना। • माधुर्य गुण • लक्षणा शब्द शक्ति। **कोई एक व्याख्या अपेक्षित–** प्रसंग – 1 संदर्भ – 1 व्याख्या – 3 भाषा – 1 रूप की तो.....प्रेरणा देती है। पाठ – 'कुटज' लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी प्रसंग – • कुटज का विषम परिस्थितियों में	3 6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				जीना। • कठिनाइयों से न घबराते हुए संघर्ष करते रहने का संदेश। व्याख्या – • कुटज का रूप मोहक तो है ही उसके जीने का ढंग भी बड़ा अनोखा है। • ग्रीष्म ऋतु की धधकती लू में भी हरा–भरा रहता है। • कठोर चट्टानों के बीच किसी अज्ञात जल स्रोत से रस खींच कर सरस बना हुआ है। • नितांत सूनी गिरि श्रृंखला में भी ऐसा मस्त है कि दूसरों को ईर्ष्या होने लगे। • कुटज विषम परिस्थितियों से लड़ने, आत्म सम्मान के साथ जीने का संदेश देता है। विशेष – • खड़ी बोली। • संस्कृतनिष्ठ भाषा शैली। • उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** भारत की सांस्कृतिक.....हो जाता है। पाठ – 'जहाँ कोई वापसी नहीं'	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				लेखक – निर्मल वर्मा प्रसंग – भारत में पर्यावरण का अर्थ केवल भौगोलिक ही नहीं सांस्कृतिक जुड़ाव भी है। व्याख्या – • भारत की संस्कृति यूरोप की भाँति संग्रहालयों में न हो कर लोक व्यवहार में बसती है। • मनुष्य का संबंध केवल दूसरे मनुष्यों तक ही सीमित न हो कर सम्पूर्ण पर्यावरण तक है। • यूरोप में पर्यावरण का अर्थ केवल नदी, पेड़, पहाड़ों तक ही सीमित है, जबकि भारत में इसका अर्थ विस्तृत हो कर लोक संस्कृति तक समाहित है। विशेष – • सहज, सरल भाषा शैली। • तत्सम शब्दों का भरपूर प्रयोग। • प्रवाहपूर्ण भाषा।	
11.	11 क	10. क	10. क	**दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–** • शेर वर्तमान युग की स्वार्थी शासक व्यवस्था का प्रतीक है। • जिसका बाह्य रूप तो न्यायप्रिय,	4+4=8

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				अहिंसात्मक है किंतु वास्तव में वह स्वार्थी एवं हिंसक है। • कार्य करने की अपेक्षा प्रचार पर बल दे कर जनता का विश्वास प्राप्त करना। उदाहरण– • लोमड़ी का रोजगार पाने के लिए शेर के मुँह में जाना। • गधे का हरी घास पाने के लिए शेर के मुँह में मैदान मान कर जाना।	4
	ख	ख	ख	• संवदिया का संवाद बहुरिया के मायके वालों को कष्ट पहुँचाएगा। • संवदिया के गाँव वालों की बदनामी होगी। • यदि गाँव की लक्ष्मी गाँव छोड़कर चली गई तो गाँव का क्या होगा। • उसे बड़ी बहुरिया तथा अपने गाँव की बदनामी की चिंता थी।	1+3=4
	ग	ग	ग	• जिस अनजान युवक से वह पुनः मिलना चाहती थी उससे मुलाकात हो जाना।	
	–			• मुलाकात होने पर मन में अनोखी तरंगों का उठना। • इस मुलाकात को दैवीय अनुकंपा	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
12.	12.	11.	12.	मानते हुए नई मनोकामना पूर्ति के लिए नई मन्नत की गाँठ बाँधना। • पारो के मन में संभव के प्रति प्रेम का अंकुर फूटना। • लाज से गुलाबी होना। • चुनरी चढ़ाने का संकल्प उसकी प्रेमातुर मनोदशा का सूचक। **जीवन परिचय अंक विभाजन–** क. जीवन परिचय 2 ख. रचनाएँ 2 ग. भाषा–शैली / साहित्यिक / काव्यगत विशेषताएँ – (उदाहरण सहित दो विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित) 2 **<u>फणीश्वर नाथ रेणु</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • बिहार के पूर्णिया जिले के औराही हिंगना नामक गाँव में जन्म। • कहानी, उपन्यास तथा निबंध लेखन में दक्ष। रचनाएँ – • उपन्यास – 'मैला आँचल', 'परती परिकथा', 'कितने चौराहे'।	2+2=4 6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• कहानी संग्रह – 'ठुमरी', 'अग्निखोर', 'आदिम रात्रि की महक', 'तीसरी कसम'। साहित्यिक विशेषताएँ – • ठेठ ग्रामीण आँचलिक शब्दों का प्रयोग। • सजीवता एवं सरलता। • भाषा – संवेदनशील, संप्रेषणीय एवं भाव प्रधान। **अथवा** **<u>ब्रज मोहन व्यास</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म – इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश। • इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय इन्हीं की देन। • इस संग्रहालय में संस्कृत, हिंदी, अरबी–फारसी आदि भाषाओं के ग्रंथों की भरमार। रचनाएँ – • अनुवाद– 'जानकी हरण' (कुमारदास कृत)	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• जीवनी – 'पंडित बालकृष्ण भट्ट', 'मदन मोहन मालवीय', • आत्मकथा – 'मेरा कच्चा चिट्ठा' साहित्यिक विशेषताएँ– • सरल, सुबोध भाषा। • आम बोलचाल की भाषा तथा उर्दू शब्दों का प्रयोग। • मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग। • वर्णनात्मक शैली।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **<u>विष्णु खरे</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म छिंदवाड़ा। • क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी–साहित्य में एम.ए.। • इंदौर समाचार – उप सम्पादक। • दिल्ली तथा मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्यापन, लघु पत्रिका 'व्यास' का संपादन, साहित्य अकादमी में उप सचिव, नवभारत टाइम्स में कार्यकारी सम्पादक।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• नवभारत टाइम्स, जयपुर के संपादक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय–दो वर्ष वरिष्ठ अध्येता, स्वतंत्र लेखन, अनुवादक । रचनाएँ – टी.एस. इलियट का अनुवाद–'मेरू प्रदेश और अन्य कविताएँ', कविता संग्रह – 'एक गैर–रुमानी समय में', 'खुद अपनी आँख से', 'सबकी आवाज के पर्दे में', 'पिछला बाकी', समीक्षा पुस्तक–'आलोचना की पहली किताब'। काव्यगत / भाषा–शिल्प विशेषताएँ– • अभ्यस्त जड़ताओं और अमानवीय स्थितियों के विरुद्ध सशक्त नैतिक स्वर की अभिव्यक्ति। • भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों के उल्लेख द्वारा पौराणिक संदर्भों को प्रतिपादित करना। • मानव कल्याण की भावना। **अथवा** **केशवदास** जन्म एवं जीवन परिचय –	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
13.	13.	13.	13.	• ओड़छा नगर में जन्म। • ओड़छापति महाराज इंद्रजीत सिंह के मुख्य आश्रयदाता। • वीर सिंह देव का आश्रय भी मिला। • साहित्य, संगीत, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, राजनीति और वैद्यक – विषयों के आचार्य। उनका आचार्य, महाकवि व इतिहासकार रूप काव्य रचना में दिखाई पड़ता है। रचनाएँ– 'कविप्रिया', 'रसिकप्रिया', 'रामचंद्रचंदिका', 'वीर चरित्र', 'विज्ञान–गीता', 'रतन बावनी'। साहित्यिक विशेषताएँ– • संस्कृत की शास्त्रीय पद्धति का हिन्दी में रूपांतरण। • व्यवस्थित और सर्वांगपूर्ण रीतिग्रंथ लिखे। जीवन–मूल्यों की दृष्टि से कथन की समीक्षा – • सूरदास को पता लग गया था कि झोंपड़ी को आग भैरों ने लगाई है; तब भी वह न तो उसे तत्कालीन भीड़ / समाज के सम्मुख प्रकट करता	5

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				है और न संदेह की अभिव्यक्ति हाव–भाव द्वारा। • क्योंकि वह क्षमा में विश्वास करता है प्रतिशोध में नहीं। • वह झोंपड़ी के पुनर्निर्माण की बात करता है। • विषम परिस्थितियों में भी वह धैर्य और विवेक का साथ न छोड़ना। **अथवा** भूप दादा के चरित्र से जीवन–मूल्यों की प्रेरणा– • आदरभाव – भूप दादा माता–पिता की सेवा में जीवन की सार्थकता समझता है। • मातृभूमि से लगाव– रूप द्वारा गाँव से चुपचाप भाग जाने पर भी वे उसी गाँव में रहे। • वे कर्मयोगी के रूप में पर्वतीय जीवन संघर्ष में जूझते रहे, पर रूप के कहने पर भी मैदानी इलाके की ओर नहीं आए। • प्राकृतिक आपदाओं को सहने में उनकी सहनशीलता, कर्मठता, धैर्य, भूमि के प्रति प्रेम, आत्मीयता के जीवन–मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है।	5

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
14.	14.			**दो प्रश्नों के उत्तर–**	5+5=10
	क	–	–	• छोटे भाई के जन्म होने पर बिसनाथ 'दूध कटहा' हो गया। • अब इनका पालन–पोषण पड़ोस की कसेरिन दाई ने किया। • बिसनाथ माँ के आँचल और ममत्व से दूर हो गए। • ऐसे में आँगन में कसेरिन के साथ लेटा बालक दूध ही नहीं चाँदनी भी पीता है। • उसे चाँदनी माँ जैसी ही स्नेहमयी एवं ममतामयी प्रतीत होती है। • बिस्तर पर लेटा बालक बादलों के साथ लुका–छिपी करते चंद्रमा को देखता रहता।	1+2+2 =5
	ख	14. क	14. ख	• विद्यार्थी अपनी जानकारी व समझ से उत्तर लिखेंगे।	2+3=5
	–	ख	–	'बिस्कोहट की माटी' में लू और गर्मी से बचने के पारंपरिक उपायों का उल्लेख है, जैसे– • इससे बचने के लिए कमीज की जेब में प्याज रखना। • कच्चे आम का पन्ना पीना। • कच्चे आम एवं प्याज का लेप	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				करना एवं आम का उबाल कर सिर धोना, इत्यादि। • आधुनिक जीवन–शैली में भी लोग लगभग इन्हीं पारम्परिक उपायों का प्रयोग करते हैं। • बीमारी की अधिकता में चिकित्सक के पास चले जाते हैं। (अन्य उपयुक्त उपाय भी स्वीकार्य)	3+2=5
	–	–	14. क	'बिस्कोहट की माटी' में ग्रामीण जीवन की सम्पूर्ण विशेषताएँ उभर कर समाने आई हैं– • सम्पूर्ण गाँव वालों का एक–दूसरे से जुड़ाव होना। • परिवेश में पाई जाने वाली विभिन्न जड़ी–बूटियों का औषधीय ज्ञान होना। • मानवीय संबंधों जैसे प्रेम, अनुराग आदि को प्रकृति में महसूस करना। • साँप–बिच्छू, ततैयों आदि के डंक के घरेलू उपायों की जानकारी का होना। • धार्मिक उत्सव एवं तीज त्योहार इनके जीवन के अभिन्न अंग है एवं एक विशेष स्थान रखते हैं।	5

http://schools.aglasem.com/